सरई कॉलेज में छात्राओं के नाम पर लाखों का गबन

प्रभारी प्राचार्य के अलावा डीड कॉलेज बैढ़न के प्राचार्य की भूमिका संदेहास्पद, लीपापोती में जुटा कॉलेज प्रबंधन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 दिसम्बर । जिले के शासकीय महाविद्यालय सरई गंभीर आरोपों के घेरे में आ गया है। इस बार मामला किसी छोटी प्रशासनिक चूक का नहीं, बल्कि शासन की जनकल्याणकारी योजना में खुली सेंधमारी का है, जिसमें कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही और जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी से शासन को करीब 5 लाख रुपये से अधिक का सीधा राजस्व नुकसान हुआ है।

मामला लाडली बहना योजना से जुड़ा है, जिसके तहत शासन द्वारा पात्र छात्राओं को 5 हजार की सहायता राशि सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि शासकीय महाविद्यालय सरई में करीब 89 छात्राओं के खातों में यह राशि एक बार नहीं, बल्कि दो-दो बार ट्रांसफर कर दी गई। यह त्रुटि

न तो मामूली है और न ही तकनीकी, बल्कि यह पूरे सिस्टम की घोर लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है। सूत्रों की मानें तो यह राशि ट्रांसफर करने से पहले कॉलेज स्तर पर छात्राओं की सूची का सत्यापन होना चाहिए था, जिसकी जिम्मेदारी वित्तीय प्रभारी प्राचार्य और संबंधित प्रभारी अधिकारियों की होती है। इसके बावजूद बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के डाटा शासन को भेज दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप शासन को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। जब यह मामला सामने आया, तब कॉलेज और उच्च शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। स्थिति संभालने के लिए आनन-फानन में प्रशासन ने छात्राओं से राशि की रिकवरी कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। सवाल यह है कि गलती अधिकारियों की और सजा छात्राओं को, जिन छात्राओं ने कोई धोखाधड़ी नहीं की, उनके खातों में शासन की राशि आई, अब उन्हीं से वसूली करना किस हद तक न्यायसंगत है। यह पहला मौका नहीं है जब सिंगरौली जिले में इस तरह की अनियमितता उजागर हुई हो। इससे पहले चितरंगी महाविद्यालय में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जहाँ आज भी छात्र-छात्राओं से राशि की रिकवरी की जा रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि डीड कॉलेज में योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर एक खतरनाक लापरवाह संस्कृति पनप चुकी है।

अब तक किसी भी जिम्मेदार पर नहीं हुई कार्रवाई

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे मामले में अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी पर एफआईआर, विभागीय जांच या निलंबन जैसी सख्त कार्रवाई नहीं हुई है। उल्टा प्रशासन अपनी नाकामी छिपाने के लिए छात्राओं से पैसे वापस लेकर मामला ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश कर रहा है। यह मामला केवल आर्थिक अनियमितता का नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की नैतिक विफलता का भी प्रतीक है। जिन योजनाओं का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना था, वही योजनाएँ आज उनके लिए मानसिक दबाव और परेशानी का कारण बन रही हैं।अब बड़ा सवाल यह है कि क्या शासन वास्तव में इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराएगा, क्या दोषी अधिकारियों और प्राचार्य पर कार्रवाई होगी या फिर हमेशा की तरह मामला कुछ दिनों में दबा दिया जाएगा।

डिग्री कॉलेज बैढ़न के प्राचार्य की भूमिका संदिग्ध

इस पूरे प्रकरण में डिग्री कॉलेज बैढ़न के प्राचार्य की भूमिका भी गंभीर सवालों के घेरे में है। सूत्र बताते हैं कि वे पहले से ही भ्रष्टाचार से जुड़े कई आरोपों का सामना कर रहे हैं, बावजूद इसके उनके विरुद्ध अब तक किसी भी प्रकार की कठोर कार्रवाई नहीं की गई। बताया जा रहा है कि उन्हें राज्य स्तर पर सत्ता में बैठे कुछ प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण इतने गंभीर आरोपों के बाद भी वे लगातार सिस्टम में बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार संबंधित प्राचार्य बैढ़न एमयू सिद्धकी का स्थानांतरण भी हो चुका है, लेकिन हैरत की बात यह है कि आज तक उन्हें पूर्णत: कार्यमुक्त नहीं किया गया। सवाल उठ रहा है कि क्या स्थानांतरण की फाइलें भी राजनीतिक संरक्षण और विभागीय सांठ-गांठ की भेंट चढ़ चुकी हैं।

इनका कहना :-

तकनीकी त्रुटी के कारण छात्राओं के खाते में दो बार राशि ट्रांसफर कर दी गई। छात्राओं से कलेक्शन किया जा रहा है और छात्राएं राशि वापस कर रही हैं।

इन्द्रजीत पटेल
प्रभारी प्राचार्य, शा .महावि . सरई

लोस सदन में गूंजा रेलवे स्टेशन बरगवां के निर्माण कार्यों का मुद्दा

सांसद ने कहा उच्च स्तरीय जांच कर हो कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 दिसम्बर । रेलवे स्टेशन बरगवां एवं ब्यौहारी में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहे निर्माण कार्य को लेकर सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने लोकसभा सदन में शून्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार एवं अनियमितता का मुद्दा उठाकर हड़कंप मचा दिया है। सांसद के इस सवाल से रेलवे अमला एवं संविदाकार सवालों के कटघरें में घिर गया है।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सीधी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत चयनित शहडोल जिले के ब्यौहारी व सिंगरौली जिले के बरगवां रेलवे स्टेशन के लिए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव और भारत सरकार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए निर्माण एजेंसी द्वारा कराए जा रहे गुणवत्ता विहीन कार्यों की जाँच कराकर आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद ने कहा कि ईरिकॉन लिमिटेड कंपनी द्वारा क्षेत्र के अमृत स्टेशन में निर्माण कार्य अत्यंत घटिया क्वालिटी का कराया जा रहा है, जिसके कारण दिवाले चटक गई है। फर्स्ट क्रेक हो गए हैं। छते टपक रही हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उच्च स्तरीय जांच करा कर ठेकेदार एवं कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए दंडित किया जाए। सांसद ने कहा कि रेलवे उच्च गुणवत्ता और आदर्श मापदंड के लिए जानी जाती है। इसलिए रेलवे की शाख पर बट्टा लगाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

एक नजर में

बिना परमिट वाले जब्त वाहनों से 51 हजार का जुर्माना

सिंगरौली। गोरबी क्षेत्र में परिवहन विभाग द्वारा की गई विशेष चेकिंग अभियान के दौरान बिना परमिट संचालित छः वाहनों को जप्त किया गया था। कार्रवाई के बाद विभाग ने इन वाहनों से कुल 51 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया है। परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर ने बताया कि ये वाहन न सिर्फबिना परमिट चल रहे थे, बल्कि कई परिवहन नियमों का भी खुला उल्लंघन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नियमों को दरकिनार कर इस तरह अवैध रूप से वाहन संचालन से सड़क सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने वाहन चालकों और मालिकों को स्पष्ट रूप से समझाइस दी है कि भविष्य में नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करें।

कोदो-कुटकी की खरीदी हुई आरंभ

सिंगरौली। जिले में मिलेट्स की खरीदी प्रारंभ हो गई है, जिसके अंतर्गत कोदो एवं कुटकी की खरीदी की जाएगी। 1 दिसम्बर से मिलेट्स अंतर्गत कोदो एवं कुटकी की खरीदी शुरू हो गई है, खरीदी 15 जनवरी 2026 तक चलेगी। खरीदी केंद्र एमपीडब्यूएलसी ग्राम डिग्गी, पोस्ट नौगई, बैढ़न को बनाया गया है । फार्मर प्रोडूसर कंपनी सिंगदेव महिला किसान उत्पादक प्रोडूसर कंपनी लिमिटेड बैढ़न द्वारा खरीदी की जा रही है। अत: किसान भाइयों-बहनों को सूचित किया जाता है कि वे अपनी उपज निर्धारित केंद्र पर लाकर विक्रय कर सकते हैं । खरीदी सिर्फ उन्हीं किसानों कि की जाएगी जिनका पंजीयन होकर रकवा सत्यापन हो चुका है । बिना पंजीयन वाले किसानों की खरीदी नहीं होगी। खरीदी व्यवस्था में केंद्र से 25 किमी के भीतर के किसान सीधे केंद्र पर आयेंगे ।

भाजपा जो कहती है, उसे करके दिखाती है : राजेन्द्र

अनुपूरक बजट में सड़क के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

नवभारत न्यूज

देवसर 3 दिसम्बर । प्रदेश एवं केन्द्र सरकार जो वायदे करती है, उसे हर हाल में पूरा करती है। इसीलिए भाजपा विश्व की नम्बर 1 पार्टी बनी है। विधानसभा के अनुपूरक बजट में कई विकास कार्यो को हरी झण्डी मिली है।

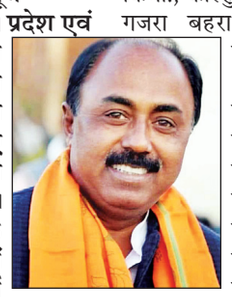

उक्त बातें देवसर विधायक राजेन्द्र मेश्राम ने मीडिया कर्मियों से फोन पर चर्चा करते हुये कही। उन्होंने कहा कि अनुपूरक बजट में क्षेत्र के महत्वपूर्ण सड़को को शामिल कर राशि की मंजूरी दी गई है। सरई प्रवास के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मांग पत्र सौपा गया था। जहां मुख्यमंत्री ने मंच से ही सौपे गये मांग पत्र में शामिल बिन्दुओं का ऐलान कर दिये थे। उन्होंने आगे बताया कि अनुपूरक बजट में जिले भर के कार्यो को मंजूरी मिली है। जिसमें परसौना से माड़ा मार्ग फोरलेन निर्माण लम्बाई 24.61 किमी., परसौना से बरगवां मार्ग फोरलेन निर्माण लम्बाई 27.28 किमी. शामिल हैं। वहीं चितरंगी से गढ़वा लम्बाई 13.00 किमी., कोल्हुआ से खनुआ वाया गजरा बहरा लम्बाई 21.93 किमी, हरफरी, धानी, खैरा व मिसिरगवां मार्ग लम्बाई 15.00 किमी., रैला-कनपुरा वाया वेतरिया पहुंच मार्ग लम्बाई 13.80 किमी. पुरैल-छांदा से देवरा रेलवे स्टेशन पहुंच मार्ग लम्बाई 6.00 किमी., रामाधार बैस के घर से सिपाही बहरा (म्यार नदी) पहुंच मार्ग लम्बाई 3.54, हटका नाला राजेन्द्र पाण्डेय के घर से नन्दलाल शाह के घर तक (प्रधानमंत्री सड़क) पहुंच मार्ग लम्बाई 5.25 किमी. के अलावा अन्य जिले के सड़के शामिल हैं। जहां संबंधित क्षेत्र के विधायको ने मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौपा था। विधायक ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, वित्त एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, उम मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ला के साथ-साथ प्रभारी मंत्री सम्पतिया उईके के प्रति आभार व्यक्त किया है और कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा सरकार दृढ़ संकल्पित है और विकास कार्य द्रुत गति से चल रहे हैं।

सेवा प्रदाता एवं सब रजिस्टार की लड़ाई न्यायालय तक पहुंची, परिवाद पत्र दायर

सेवा प्रदाता ने अधिवक्ता सीके सिंह चंदेल के माध्यम से न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बैढ़न के यहां दायर कराया परिवाद

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 दिसम्बर । सेवा प्रदाता एवं सब रजिस्टार सिंगरौली की लड़ाई अब न्यायालय तक पहुंच गई है। सब रजिस्टार के कृत्य से परेशान सेवा प्रदाता ने साहस जुटाते हुये अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में परिवाद पत्र दायर किया है। जहां इन दिनों चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है।

दरअसल सेवा प्रदाता अंकित प्रसाद दुबे पिता इन्द्र प्रसाद दुबे गनियारी-बैढ़न ने अधिवक्ता सीके सिंह चंदेल सिंह के माध्यम से न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बैढ़न के यहां परिवाद पत्र दायर करते हुये उप पंजीयक अशोक सिंह परिहार पर आरोप लगाया है कि वे पिछले 9 वर्षो से लगातार सिंगरौली जिले में पदस्थ हैं। जबकि शासन के स्थानांतरण निती के अनुसार 3 वर्ष से अधिक कोई भी शासकीय सेवक एक ही स्थान पर पदस्थ नही रह सकता। आरोप लगाया है कि उप पंजीयक दस्तावेजो के पंजीयन पर भारी भरकम अधिकारियों के नाम पर वसूलते हैं और विरोध करने वाले सेवा प्रदाताओं के व्यवसाय को चौपट करने की धमकी दी जाती

है। साथ ही सार्वजनिक रूप से जलील भी करते हैं और इतना ही नही दस्तावेजो का सही निष्पादन न होने का बहाना बताकर दस्तावेजो को फेंक देते हैं। उन्होंने नपानि खनिज के साथ-साथ स्टेशन हेड महान एनर्जिक लिमि. बंधौरा समेत अन्य संस्थानों में लिखित रूप से इस आशय का आदेश जारी कर दिया कि वे अपने-अपने विभागो के दस्तावेजो का पंजीयन परिवादी के बजाय किसी अन्य सेवा प्रदाताओं से कराएं। जिसपर कुछ संस्थानों ने उन्हें यह लिखकर जवाब दे दिया कि आरोपी ऐसा आदेश देने के लिए अधिकृत नही है। वे अपने-अपने दस्तावेजो का पंजीयन किस सेवा प्रदाता के माध्यम से कराएं और किससे न कराएं यह अपनी व्यवस्था है। इसके बाद उप पंजीयक ने मौखिक रूप से आदेश देने लगे। आगे कहा गया है कि उप पंजीयक परिवादी की छवि धूमिल करने के लिए तरह-तरह के हत्थकण्डे अपना रहा है। इतना ही नही झूठी अफवाहों को फैलाने में कोई कोर कसर नही छोड़ रहा है। इन्ही कई अन्य मुद्दों को लेकर पहले उप पंजीयक को मियादी नोटिस अधिवक्ता के माध्यम से दी गई थी, लेकिन उसका जवाब नही मिला और अधिवक्ता ने पिछले दिनों न्यायालय में परिवाद पत्र दायर करते हुये अपराध अंतर्गत बीएनएस की धारा 356(2) 356(3) 198, 199, 201 एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 2010 के तहत दायर किया है।

विंध्याचल ने दिव्यांगजन दिवस पर सहायक उपकरण का किया वितरित

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 3 दिसम्बर । विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए अपने समावेशी सीएसआर कार्यक्रम के तहत एनटीपीसी विन्ध्याचल ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर जिले के लाभार्थियों को सहायक सामग्री वितरित की।

वितरण कार्यक्रम का नेतृत्व संजीब कुमार साहा परियोजना प्रमुख उपस्थित रहे। साथ ही एजे राजकुमार महाप्रबंधक, एसके सिन्हा, डॉ. बीके भराली, महाप्रबंधक देबब्रत त्रिपाठी, महाप्रबंधक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में तीन ट्रायसाईकिल, दो हियरिंग एड एवं एक कृत्रिम अंग लाभार्थियों को प्रदान किए गए, जो एनटीपीसी की सुगम्यता एवं सक्षम जीवन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस पहल का संचालन एचआर एवं सीएसआर टीमों द्वारा किया गया। एनटीपीसी विन्ध्याचल विशेष जरूरतों वाले व्यक्तियों को स्वावलंबी एवं सम्मानजनक जीवन की दिशा में सक्षम बनाकर समावेशी समाज निर्माण की अपनी दृष्टि को निरंतर मजबूती प्रदान कर रहा है।

एक सप्ताह में 630 वाहनों पर की गई चालानी कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 दिसम्बर । अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध व्यापक प्रवर्तन कार्यवाही की गई। जिसमें 8 दिवसीय अभियान में की गई कार्यवाही में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने पर 630 प्रकरण जुर्माना 1 लाख 89 हजार, बिना वैध बीमा के वाहन चलाने पर 10 प्रकरण में 10 हजार, बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट के वाहन 280 प्रकरण में 1 लाख 40 हजार , तेज गति से वाहन चलाने पर 10 प्रकरण में 10 हजार एवं सहित अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर 100 प्रकरण में 1 लाख 72 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई की गई।

दिव्यांग छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाकर जन समूह का मोहा मन

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस समारोह राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम में हुआ आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 दिसम्बर । उप संचालक सामजिक न्याय विभाग एवं जिला शिक्षा केन्द्र के समन्वय से विश्व दिव्यांग जन दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न में आयोजित हुआ। जिसमें 342 दिव्यांग जन कार्यक्रम में अपनी सहभागीता दी तथा अपने प्रतिभा दिखाकर स्टेडियम में मौजूद जन समूह का मन मोहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथ सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह, जिपं उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, जिपं सीईओ जगदीश गोमे, रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष एसडी सिंह, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष आरडी पाण्डेय के उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग छात्र-छात्राओं के द्वारा भजन एवं संगीत के माध्यम से अतिथियों सहित उपस्थित जन समूह को मत्रमुग्ध किया गया। वही कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग के लिए आयोजित बैसाखी दौड़ ड्राईंग पेंटिग, चित्रकला सामार्थ्य प्रदर्शन एकल गायन वाद्य यंत्र वादन मटकाफोड़, सहित अन्य खेलो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दरलाल शाह एवं रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष एसडी सिंह ने भी संबोधित किया।

छोटी सी भूल बड़ी दुर्घटना में न बदलें : डीके

जेपी निगरी में मप्र . औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह का हुआ शुभारम्भ

नवभारत न्यूज

सरई 3 दिसम्बर । भोपाल गैस त्रासदी के कारण जिन लोगों, श्रमिकों, कर्मचारियों की मृत्यु हुई थी, उनकी स्मृति में एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिये जेपी निगरी सुपर थर्मल पावर प्लांट द्वारा हर वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी आज दिन बुधवार को म.प्र. सुरक्षा सप्ताह का शुभारम्भ डीके सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष (ओ. एण्ड एम.) द्वारा पूजा एवं सुरक्षा ध्वज फहराकर किया गया।

भोपाल गैस त्रासदी में जिन लोगों, कर्मचारियों की मृत्यु हुई थी, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया तथा ऐसी घटना कि पुनरावृत्ति न हो एवं उद्योगों में सभी कार्य सुरक्षित ढंग से किये जाये, इसके लिए सुरक्षा शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात डीके सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी भी कार्य को करने से पहले उस कार्य का जॉब सेफ्टी एनालिसिस करें, ताकि छोटी सी भूल बड़ी दुर्घटना में न बदले। इस कार्यक्रम में एके श्रीवास्तव एडवाईजर, एके सिंह उपाध्यक्ष, एम मुरली प्लान्ट हेड पावर मेक, विक्रम सिंह गहरवार महाप्रबंधक, निखिल तिवारी सहायक प्रबंधक संरक्षा, प्रवीण तिवारी संरक्षा अधिकारी व अन्य मौजूद रहे।

एनसीएल ने 200 से अधिक बच्चों को वितरित किया जूते

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 दिसम्बर । एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों द्वारा समय-समय पर सीएसआर के तहत स्थानीय परिक्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्य किए जाते रहे हैं।

इसी क्रम में आज दिन बुधवार को एनसीएल की सीडब्ल्यूएस इकाई द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शासकीय प्राथमिक पाठशाला, गोलाई बस्ती, जयन्त, शासकीय प्राथमिक पाठशाला, सेन्ट्रल वर्कशॉप और शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, मुड़वानी, जयंत में विद्यार्थियों को नि:शुल्क जूतों का वितरण किया गया। एनसीएल सीडब्ल्यूएस द्वारा यह कार्य बढ़ती ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए किया गया। इस दौरान लगभग 207 विद्यार्थियों ने वितरण का लाभ उठाया । इस अवसर पर परियोजना से नोडल अधिकारी सीएसआर एवं स्कूल के प्राचार्य तथा अन्य लोग मौजूद रहे।

रोजाना 12 घंटे काम, मजदूरी केवल 8 घंटे के हिसाब से

श्रम कानून उल्लंघन के गंभीर आरोप, श्रमिकों ने कलेक्टर के यहां समस्याओं को लेकर की थी शिकायत

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 दिसम्बर । जिले में संचालित वेरासिटी सप्लाई चेन प्रा.लि. एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में आ गई है। कंपनी पर श्रमिक कानूनों की खुलेआम अनदेखी करते हुए मजदूरों से अमानवीय तरीके से काम कराने के आरोप लगाए जा रहे हैं। कलेक्टर के यहां श्रमिको ने इसकी शिकायत की है।

श्रमिकों का कहना है कि कंपनी में बिना किसी श्रमिक पंजीयन के उनसे प्रतिदिन 12 घंटे

काम कराया जाता है, जबकि मजदूरी केवल 8 घंटे के हिसाब से ही दी जाती है। आरोप यह भी है कि कंपनी के प्रबंधक महेश शुक्ला द्वारा किसी भी श्रमिक को पीएफ, ईएसआई, बोनस अथवा उपादान जैसी वैधानिक सुविधाओं का लाभ नहीं दिया जाता। इससे न केवल श्रमिक आर्थिक रूप से असुरक्षित हैं, बल्कि भविष्य को लेकर भी संकट में हैं। सबसे चिंता का विषय यह है कि यदि कोई मजदूर श्रम विभाग में जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराता है, तो कार्रवाई करने के बजाय श्रम विभाग के कुछ अधिकारी कथित तौर पर कंपनी प्रबंधन को इसकी सूचना दे देते हैं, जिसके बाद संबंधित श्रमिको पर दबाव बनाया जाता है। इससे मजदूरों में भय का माहौल है और वे अपने अधिकारों की मांग करने से भी कतराते हैं। लगातार 12 घंटे काम कराए जाने से श्रमिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। थकान और अस्वस्थता के कारण कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। आरोप है कि कंपनी श्रमिकों का कोई रिकॉर्ड, हाजिरी या लेखा-जोखा भी विधिवत संधारित नहीं करती। श्रमिकों ने कंपनी प्रबंधन, विशेषकर प्रबंधक पर विभागीय अधिकारियों से मेल-मिलाप करने का आरोप लगाए हैं। अब श्रमिकों ने कलेक्टर एवं श्रम पदाधिकारी से उपरोक्त बिंदुओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।